भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोकसभा
अतारांकित प्रश्न सं. 5302
5 अप्रैल, 2022 को उत्तरार्थ

विषय: तिलहनों का उत्पादन

5302. श्री गौतम सिगामणि पोन:
श्री गजानन कीर्तिकर:
श्रीमती मंजुलता मंडल:
श्री सी.एन. अन्नादुरई:
श्री धनुष एम. कुमार:

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान देश में तिलहन का उत्पादन बहुत कम रहा है, जिससे उपभोक्ताओं की खाना पकाने के तेल की बढ़ती मांग पूरी नहीं हो पा रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या सोयाबीन और तिलहन के कारोबार में लगी निजी और सरकारी एजेंसियों ने इस वर्ष सोयाबीन के कम उत्पादन का अनुमान लगाया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या देश में सोयाबीन के कम उत्पादन के कारण वार्षिक खाद्य तेल आयात बिल में वृद्धि की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा खाद्य तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री नरेंद्र सिंह तोमर)

(क): देश में तिलहन का उत्पादन पिछले तीन वर्षों के दौरान काफी बढ़कर वर्ष 2018-19 में 31.52 मिलियन टन से वर्ष 2021-22 में 37.15 मिलियन टन (दूसरा अग्रिम अनुमान, आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय) हो गया है। पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान तिलहन के उत्पादन का विवरण निम्नानुसार है:

वर्ष	**उत्पादन (मिलियन टन)**
2018-19	31.52

2019-20	33.22
2020-21	35.95
2021-22*	37.15

* दूसरा अग्रिम अनुमान, आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय।

(ख) से (घ): आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय के दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, सोयाबीन का अनुमानित उत्पादन वर्ष 2020-21 के दौरान 12.61 मिलियन टन के उत्पादन की तुलना में वर्ष 2021-22 के दौरान 13.12 मिलियन टन है।

(ङ): सरकार देश में तिलहन के उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए वर्ष 2018-19 से एक केंद्र प्रायोजित योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन- तिलहन और ऑयल पाम (एनएफएसएम-ओएस एंड ओपी) लागू कर रही है। अब सरकार ने वर्ष 2021-22 में ऑयल पाम के लिए एक अलग मिशन अर्थात् खाद्य तेलों पर राष्ट्रीय मिशन (ऑयल पाम) - एनएमईओ (ओपी) शुरू किया है।

तिलहन और ऑयल पाम के उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाकर और आयात के बोझ को कम करके खाद्य तेलों की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से देश में एनएफएसएम-तिलहन और एनएमईओ (ओपी) दोनों को लागू किया जा रहा है।

*****